

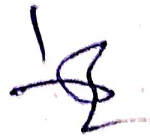
31-12-98

सरकार पॅरिकार उप०/ सरकार पॅरिकार तदर्थोपकार लंठ्ड  
द्विष्ट करॅली द्वारा प्रार्थना पत्र वास्तु फतातुली तसब तण्या  
द्वारा विद्वा प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रार्थना तदर्थोपकार लंठ्ड  
द्विष्ट करॅली द्वारा दस्तखत पेश कर विवेकन किया गया है कि  
इस बात को विद्वा करना चाहते हैं अतः अर्थात् प्रवृत्त किए जाये  
अतानुसार सिविस प्रक्रिया साधता 1908 के अर्द्ध 93 नियम 1(A)  
के आधार पर वाद को विद्वा करने की अनुमति दी जाती है।  
ज्यापालय invito processiam non elatur के सिद्धान्त से  
बोध्य है अतः वाद विद्वा करने के अर्द्ध दिये जाते हैं परन्तु  
साध्य है चूंकि वाद शक्रीय पॅरिकार द्वारा प्रस्तुत किया  
गया है तथा व अब बिना किसी स्पष्ट कारण के विद्वा किया  
जा रहा है तो ज्यापालय यह उचित समझता है कि शक्रीय

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

परिकार के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आवश्यक  
विभागीय कार्यवाही यह-यही जाते हुए साया जाना उचित  
रहेगा। अतः अतानुसार तदर्थीर में जारी की जाय। यह  
अधिकार स्वयं न्यायालय में स्थापित गया।



उपखण्ड अधिकारी  
करौली (राज०)